

NMDC द्वारा टाइगर रज़िर्व के पास हीरा उत्खनन

चर्चा में क्यों?

भारत की **राष्ट्रीय खनजि विकास नगिम (NMDC) पन्ना टाइगर रज़िर्व** के नकट एक खदान से 6,500 **कैरेट हीरे** निकालने की योजना बना रही है, जिनकी कीमत 3.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।

प्रमुख बटु

- **खनन कार्यों में वलिव:**
 - NMDC को **पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने में देरी का सामना** करना पड़ा जिसके कारण मध्य प्रदेश में पन्ना खदान में खनन कार्य तीन वर्षों से अधिक समय तक रुका रहा, क्योंकि यह **टाइगर रज़िर्व** के नकट है।
 - **सर्वोच्च न्यायालय** ने बाद में NMDC को कुछ **दशानरिदेशों के अधीन खनन कार्य** फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी, जिससे कंपनी खदान में अपना काम फिर से शुरू कर सकी।
- **हीरा नषिकरण:**
 - परचालन पुनः शुरू करने के बाद से **NMDC ने 3,700 कैरेट हीरे निकाले हैं**, जिनकी कीमत **1.93 मिलियन अमेरिकी डॉलर** है।
- **पन्ना खदान के बारे में:**
 - पन्ना खदान 275.96 हेक्टेयर (681.91 एकड़) में फैली है और इसका संचालन 1970 के दशक के प्रारंभ में शुरू हुआ था।
 - यह भारत की **एकमात्र मशीनीकृत हीरा खदान** है।
- **मध्य प्रदेश में हीरा खनन:**
 - मध्य प्रदेश **एशिया के प्रमुख हीरा खनन कषेत्रों** में से एक है।
 - वैश्विक और घरेलू कंपनियों को पन्ना रज़िर्व के पास **बंदर परियोजना** में हीरे के खनन में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

पन्ना टाइगर रज़िर्व

- **परचिय:**
 - उत्तरी मध्य प्रदेश में **वधिय परवत शृंखला** में स्थिति है।
 - **542 वर्ग कमी कषेत्र** में फैला हुआ है।
 - **बुंदेलखंड कषेत्र** का एकमात्र **टाइगर रज़िर्व**।
 - वर्ष 1994 में **प्रोजेक्ट टाइगर** के तहत भारत सरकार द्वारा इसे **टाइगर रज़िर्व घोषित** किया गया।
- **परदृश्य:**
 - इस रज़िर्व की **स्थलाकृत 'टेबल टॉप'** है।
 - इसमें **वसितुत पठार और घाटियाँ** शामिल हैं।
 - **केन नदी** रज़िर्व से होकर दक्षिण से उत्तर की ओर बहती है।
 - इस कषेत्र में **दो हजार वर्ष पुराने शैलचित्र** भी मौजूद हैं।
- **वनस्पत:**
 - **शुष्क पर्णपाती वनों** तथा घास के मैदानों का प्रभुत्व।
 - उत्तर में यह अभयारण्य **सागौन के वनों** से घिरा हुआ है।
 - पूर्व में इसकी सीमा **सागौन-करधई मशिरति वनों** से लगती है।
- **जीव-जंतु:**
 - यह रज़िर्व **बाघों, भालूओं, तेंदुओं और धारीदार लकड़बगघों** की महत्वपूर्ण आबादी का घर है।
 - अन्य उल्लेखनीय मांसाहारियों में **गीदड़, भेड़िये, जंगली कुत्ते, जंगली बलिलियाँ और चित्तीदार बलिली बलिली** शामिल हैं।
 - उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम तक फैली **वधिय परवत शृंखलाएँ** वन्य जीवों की पूर्वी और पश्चिमी आबादी को जोड़ने में मदद करती हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/nmdc-to-extract-diamonds-near-tiger-reserve>

